Siddharth University In News 31.07.2021

बी-काम तीसरे वर्ष का परीक्षा परिणाम घोषित

कपिलवस्तु (एसएनबी)। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर ने विश्वविद्यालय परिसर सहित महाविद्यालयों के बी-काम भाग थर्ड का वार्षिक परीक्षा परिणाम शुक्रवार को घोषित कर दिया है। कुलपति प्रोफ़ेसर हरि बहादुर श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में योजनानुसार और कुशलता पूर्वक संचालित मूल्यांकन के कारण परीक्षाफल जारी करने वाला सिद्धार्थ विश्वविद्यालय प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय बना है।

इससे पूर्व बी-काम भाग 2 का परीक्षाफल घोषित करके सबसे पहले परीक्षा का परिणाम देने वाला विश्वविद्यालय बन चुका है। शुक्रवार को परीक्षा परिणाम घोषणा के उपरांत मूल्यांकन प्रभारी डा. पुर्णेश नारायण सिंह ने बताया की कुलपति प्रो. हरिबहादुर श्रीवास्तव के मार्गदर्शन तथा परीक्षा नियंत्रक राकेश कुमार के निर्देशन में ही शुचितापूर्ण ढंग से संचालित मूल्यांकन कार्य हो रहा है। मूल्यांकन का संयोजन इस प्रकार योजनाबद्ध ढंग से किया जा रहा है कि एक एक विषय का मूल्यांकन पूरा हो और उसका परिणाम यथाशीघ्र घोषित किया जाए, ताकि विद्यार्थियों को अगली कक्षा में प्रवेश लेने में किसी प्रकार की असुविधा ना हो। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि बीकम भाग 3 में कुल 98.53 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए, जिसमें 98.82 प्रतिशत छात्राएं तथा 98.38 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए है। 68.1 प्रतिशत छात्राएं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुई हैं, जबकि 31.9 प्रतिशत छात्र प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं। इस दृष्टि से देखा जाए, तो छात्राएं छात्रों की तुलना में बहुत आगे है। परीक्षा नियंत्रक राकेश कुमार ने बताया कि जिन विद्यार्थियों का राष्ट्र गौरव के कारण परीक्षा फल अपूर्ण आया है, वह आगामी 10 अगस्त को आयोजित होने वाले राष्ट्र गौरव की परीक्षा में सम्मिलित होकर और उत्तीर्ण होने के उपरांत उनका परीक्षा फल क्लियर कर दिया जाएगा। उक्त जानकारी सूचना और जनसंपर्क अधिकारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने दिया।

परीक्षाफल जारी करने वाला प्रदेश का बना पहला विश्वविद्यालय

प्रखर विकास

▸ विश्वविद्यालय ने जारी किया बीकॉम भाग 3 का परीक्षाफल

कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर। वार्षिक परीक्षा 2021 के अंतर्गत सिद्धार्थ विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय परिसर सहित संबद्ध महाविद्यालयों का शुक्रवार को बीकॉम भाग 3 का परीक्षाफल घोषित किया है।परीक्षाफल जारी करने वाला सिद्धार्थ विश्वविद्यालय प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय बना है। उक्त जानकारी सूचना और जनसंपर्क अधिकारी डॉ अविनाश प्रताप सिंह ने दिया है। उन्होंने बताया कि सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर हरि बहादुर श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में योजनानुसार और कुशलता पूर्वक संचालित मूल्यांकन के कारण परीक्षाफल जारी करने वाला सिद्धार्थ विश्वविद्यालय प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय बना है। इससे पूर्व बीकाम भाग 2 का परीक्षाफल घोषित करके सबसे पहले 2021 की परीक्षा का परिणाम देने वाला सिद्धार्थ विश्वविद्यालय बन चुका है। शुक्रवार को परीक्षा परिणाम घोषणा के उपरांत मूल्यांकन प्रभारी डॉ. पुर्णेश नारायण सिंह ने बताया की कुलपति प्रो. हरि बहादुर श्रीवास्तव के मार्गदर्शन तथा परीक्षा नियंत्रक श्री राकेश कुमार के निर्देशन में ही शुचितापूर्ण ढंग से संचालित मूल्यांकन कार्य हो रहा है। मूल्यांकन का संयोजन इस प्रकार योजनाबद्ध ढंग से किया जा रहा है कि एक एक विषय का मूल्यांकन पूरा हो और उसका परिणाम यथाशीघ्र घोषित किया जाए ताकि विद्यार्थियों को अगली कक्षा में प्रवेश लेने में किसी प्रकार की असुविधा ना हो।

परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि बीकॉम भाग 3 में कुल 98.53 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए जिसमें 98.82 प्रतिशत छात्राएं तथा 98.38 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। वहीं 68.1 प्रतिशत छात्राएं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुई हैं, जबकि 31.9 प्रतिशत छात्र प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं। इस दृष्टि से देखा जाए तो छात्राएं छात्रों की तुलना में बहुत आगे है। परीक्षा नियंत्रक राकेश कुमार ने बताया कि जिन विद्यार्थियों का राष्ट्र गौरव के कारण परीक्षा फल अपूर्ण आया है वह आगामी 10 अगस्त को आयोजित होने वाले राष्ट्र गौरव की परीक्षा में सम्मिलित होकर और उत्तीर्ण होने के उपरांत उनका परीक्षा फल क्लियर कर दिया जाएगा।

अशिक्षित महिलाओं को साक्षर बना रहा विवि

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय ने 10 गावों को लिया है गोद, फैल रहा जागरूकता

संवाद न्यूज एजेंसी

सिद्धार्थ विवि से सटे एक गांव में बालिका से संवाद करती डॉ. नीता यादव। विज्ञप्ति

सिद्धार्थनगर। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु अब आसपास के 10 गांवों को गोद लेते हुए महिलाओं के बीच जागरूकता कार्यक्रम चला रहा है। आधी आबादी को उनके अधिकारों के प्रति सचेत करने के साथ ही अशिक्षित महिला को पढ़ाने की दिशा में योगदान दे रहा है। गांवों में पहुंचकर विवि की टीम शिक्षा, स्वास्थ्य समेत अन्य बिंदुओं पर जागरूक कर रही है।

भगवान बुद्ध की जन्मस्थली कपिलवस्तु में स्थापित सिद्धार्थ विश्वविद्यालय पड़ोसी मुल्क नेपाल के छात्रों के साथ ही छह जनपदों में उच्च शिक्षा की ज्योति जला रहा है। इस बीच विवि की महिला अध्ययन केंद्र की ओर से आसपास के 10 गांवों को गोद लेकर महिलाओं को उनके अधिकार के प्रति जागरूक करने के साथ ही सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है।

बेहतर स्वास्थ्य रखने की दिशा में साफ-सफाई, जलभराव न होने देने, मुख्य मार्ग से गांव की सड़क को जोड़ने के लिए ग्राम प्रधानों को प्रेरित करने का कार्य किया जा रहा है। जिन 10 गांवों को गोद लिया गया है, उनमें शोहरतगढ़ ब्लॉक के पल्टादेवी के गांव मिठवल, बर्डपुर ब्लॉक के पिपरहवा, गनवरिया, बहोरवा, सेमरी, बसालतपर, गायघाट, पिपरसन, देवियापुर, मगरहिया शामिल हैं।

शिक्षा, स्वास्थ्य सहित अन्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रही टीम

इन गांवों में आर्थिक रूप से उच्च शिक्षा की पढ़ाई न करने वाली बालिकाओं को विवि में निशुल्क पढ़ाई के लिए प्रयास किया जा रहा है। बच्चियों के जन्म लेने पर उनके लिए सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है। महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कराकर उचित चिकित्सीय परामर्श दिलाने का कार्य किया।

पर्यावरण संकट से निजात दिलाने के साथ ही कोरोना काल में ऑक्सीजन की जरूरतों में पौधों की महत्ता पर भी प्रकाश डाला जा रहा है। गांवों में पौधरोपण भी हो रहा है।

महिला प्रधानों से मुखर होने का आह्वान

इन गांवों की महिला ग्राम प्रधानों से टीम की महिला सदस्य व्यक्तिगत रूप से मिलकर उन्हें मुखर होने के लिए आगे आने का आह्वान कर रही हैं। परिजनों के सहारे न होकर स्वयं प्रधान के कार्य दायित्व को संभालने के लिए आगे आने की अपील भी।

टीम में सात सदस्य शामिल

सिद्धार्थ विवि के महिला अध्ययन केंद्र की ओर से गोद लिए गांवों में जागरूकता कार्यक्रम के लिए सात सदस्यीय टीम गठित की गई है। केंद्र की अध्यक्ष डॉ. नीता यादव को नोडल बनाया गया है। जबकि सदस्य के रूप में डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. जय सिंह, डॉ. रेनू त्रिपाठी, डॉ. सुनीता त्रिपाठी, डॉ. मनीषा वाजपेयी, शेख अंजुम शामिल हैं।

विवि की महिला अध्ययन केंद्र की ओर से एक अभिनव पहल की जा रही है। अभी 10 गांवों में जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। आने वाले समय में अन्य गांवों को भी गोद लिया जाएगा। **-डॉ. नीता यादव,** नोडल अधिकारी

बीकॉम तीसरे वर्ष का परीक्षा परिणाम घोषित

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्व. विद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर ने विश्वविद्यालय परिसर सहित महाविद्यालयों के बीकॉम भाग थर्ड का वार्षिक परीक्षा परिणाम शुक्रवार को घोषित कर दिया है। कुलपति प्रोफेसर हरि बहादुर श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में योजनानुसार और कुशलता पूर्वक संचालित मूल्यांकन के कारण परीक्षाफल जारी करने वाला सिद्धार्थ विश्व. विद्यालय प्रदेश का पहला विश्व. विद्यालय बना है। इससे पूर्व बी काम भाग 2 का परीक्षाफल घोषित करके सबसे पहले परीक्षा का परिणाम देने वाला विश्वविद्यालय बन चुका है। शुक्रवार को परीक्षा परिणाम घोषणा के उपरांत मूल्यांकन प्रभारी डॉ पुर्णेश नारायण सिंह ने बताया की कुलपति प्रो हरि बहादुर श्रीवास्तव के मार्गदर्शन तथा परीक्षा नियंत्रक राकेश कुमार के निर्देशन में ही शुचितापूर्ण ढंग से संचालित मूल्यांकन कार्य हो रहा है। मूल्यांकन का संयोजन इस प्रकार योजनाबद्ध ढंग से किया जा रहा है कि एक एक विषय का मूल्यांकन पूरा हो और उसका परिणाम यथाशीघ्र घोषित किया जाए ताकि विद्यार्थियों को अगली कक्षा में प्रवेश लेने में किसी प्रकार की असुविधा ना हो। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि बीकॉम भाग 3 में कुल 98.53: परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए जिसमें 98.82: छात्राएं तथा 98.38: छात्र उत्तीर्ण हुए है। 68.1: छात्राएं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुई हैं जबकि 31.9 छात्र प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं। इस दृष्टि से देखा जाए तो छात्राएं छात्रों की तुलना में बहुत आगे है। परीक्षा नियंत्रक राकेश कुमार ने बताया कि जिन विद्यार्थियों का राष्ट्र गौरव के कारण परीक्षा फल अपूर्ण आया है वह आगामी 10 अगस्त को आयोजित होने वाले राष्ट्र गौरव की परीक्षा में सम्मिलित होकर और उत्तीर्ण होने के उपरांत उनका परीक्षा फल क्लियर कर दिया जाएगा। उक्त जानकारी सूचना और जनसंपर्क अधिकारी डॉ अविनाश प्रताप सिंह ने दिया।